

आशा सरकाथि	
837	I

ASHA ARCHIVES

242
Paudava
gita

ऐनमा ४८ गवती वा सुद वाया नाम दुर्घन उवावा

युद्धादनागदयनागत्रयुवती कया सीवती यशुकदक
लोनेरि का का या। त्रकां गदाई नव नि व वि ला घनमया
चता नंद यत्रम ला गवती नमामी॥ ॥ यत्रम ला गव
त यनी जी न न म माल धर्क ला म दुर्घन मृ चिनश
सुदय केर सु सु क्षर सा युद्धादनागदयनागत्रयुवती

कया सुत्रं मती कशुकदव लोने क ल म त्र कां गदाई न
व नि व वि ला घन थ ता॥ १॥ **म म उ वा वा** ध म वि व द्धे
रुधि का त को र्ने न न या री न न म गि र क द त को र्ने न
। ग यु वि न ध न ऊ र को र्ने न न मा दौ सु तो क थ य ती न
ह व नि ता गा॥ ॥ रु धि का त या नाम क या न ध म व ध य
रु या ज ल म स न या नाम का या य य ना सु रु या डा अ र्ने

या नाम का या न ग रु ना ग रु या ज न क ल स ह द व या नाम का
या न ग ना ग ना ग रु या ज ध के ध र्म न अ सु द य क ल ॥ २ ॥ व य
वा च ॥ उ मा ने त स हं भं वं न वा वि ग र त रा य रा य त री ना रा य न
सू त रु त्रं ग र तं स त री ॥ ध्या न न त ह त री की लि च द व ना स मा २
उ ४ य या ध त री स न य न वि व नी ॥ ॥ ग म म न य न वे त ग रु
या ज य या म य या म द य का ज द व या रु त्र रु या ज वि या क

म आ ना य न ति लं स त री या दा ज वा नी ज च थी द म
न य या ध्या न या द न या य ना स रु या ज य न वी त थ स सा
त स ज म रु या ज मा म या उ उ ता न मा नी ज म य ध के व य
न ज सु द य क ल ॥ ३ ॥ ॥ दु उ वा च ॥ ना रा य ना ना म न ना न
ना नां य सि ह्वा त री क धि री य था री ४ व वं क ज म्मा जि तः
या य री व यं ह त री त री म्मा ति मा य क व लं ॥ ॥ आ ना

य न या नो म हा दान म नू य नू य ध के थ र सि य धा दी स धा
या अ लो ल थ म नू नू न क उ न म स या दा उ त या या य स म स
ना स रू या अ श्री ना ना य न या नो म का या मा य न श्री ना ना य न
या क ला अ र कि न स वा या य मा ल म नू य ना स न ध के ० ३
दु न आ सु द य क ल ॥ ५ ॥ इ धि द्वा त उ वा वा ॥ म म य म्मा म धि त
को य य वा स श्री व सा के क मु ला ला सि तां गी यू न्या सा नै यू ३

न का य ता के वि क व द स र्व सा के क ना र्थ ॥ ॥ ध धा द क
श्री ना ना य न जी न न म सा स ध के ग धा द क श्री ना ना य न
धा स सा म ध या र्थ ग त्रा त या व नू ज म या ता म्ब त धा रि द
द य स श्री व के या वी दू द या अ वा द रु नै को मु र म नी न म त्रा
त्र या अ ति सु ला य मा न रु या अ वा द वि त्रा ज मा न रु या अ वा
द यू न्या आ सा रु या अ वा द रु नै य स सा न या रु ल धा द मि

स्वायावानरुयाज्जादधथीठअमीनात्रायनधर्कैरुषिषीत्रन
 आसूदयकल॥५॥ श्रीरामसनउवाच॥ उलोद्यमममासचत्रा
 चत्राधत्राविद्यानकाद्याखिलविश्वमूर्तिनासमूर्द्धताजनव
 त्राहृयानासमस्ययैरुहृगवान्वसादंश॥ ॥ अत्रक
 डिवाजैरुसिमायवरोदयाज्जादधथीवालेखसल्लुविदा
 य्जादधवससुधविश्वतूयित्रीनात्रायननवत्राहृयाइ

५

याजधरुलियुथीवीधसवानरियाजयथीत्रत्राया
 स्येविष्ठाककथयिष्येगवाननजिथासदयायुगत्ररु
 याजविष्ठायमासधर्कश्रीरामसननआसूदयकल॥
 ५॥ अत्रनउवाच॥ अविष्ठाभवकमनकमयरीविउ
 यउकात्रनहृगएषिनी॥ गेसाकविष्ठात्रविशवराविः
 नीदत्राययत्रासिगरिंमहासनी॥ ॥ धथीठअदनीयोः

जोन लाय दय माल धर्क ग धा द म्हा नो धा स सा चि न ल य म जा
श ख न्ये म इ उ र लि ध र लि ध क य मान म इ म न् य आदि नः
जा व या नी या य र लै इ या उ वि ष्ण क द न्वे वि र न य न र कि ज न
य ना स न सु य सा र लि ला क स वि सा न र या उ वि ष्ण क थ था द
म्हा र त्रि ध र्क अ इ न न नो स द य क ल ॥ १ ॥ न क ल उ वा च ॥ उ
दि ग म न ध सा क र्म या सा नू व द्वा वा उ दि व क ल वि न द्वा न ज

सम य कि क ठा कि मि न त म रि त्वा ती ग ता ह्यं त ता सा ए व
उ म म द्वा दि र्क क न व र र कि न का ॥ ॥ क र्म उ लि रि य
त न चो त का र वा द या नि मि र्दि न ग व ल स न न क आ दा
न म रि द्वा य स म उ द ग व ल स र्क उ त या क स उ न का य
ग त द्वा य ल धा स कि मि र्द न न थ र लि व ल स इ य न वा
द म्हा य आ स न आ ना ता य न या क इ क उ क ए कि इ या उः

वा ददय मा न धर्क न कल न आ सु द य क ल ॥ ४ ॥ स ह द व उ
 वा च ॥ त स्य उ कू व नो ह स्य वि द्या न उ न त ज स। य न्म मी ज यि
 क र्व नो ग र्वा या ह न मा न म ॥ ॥ वि ष्णु या न न न उ कू व नो ह
 इ स्य वि ष्णु क म्। या त य म्। म न्। न न म स्त न। या त ज म्। ४
 म न्। न न। सौ जा न न म स्त न। धर्क स ह द व न। आ सु द य
 क ल ॥ ५ ॥ **क नि त् वा च ॥** स क म्। रु स नि ह स्यां जा जा जा नि व

जा म्। ह। त स्या त स्या ह वि क म्। त्व या र को दि ता मु मी ॥ ॥
 ह ह वा क म्। व ध। क म्। रु स न। स र्गु सि। थ न स ज म्। रु या ज। ज।
 उ सि र थ न स। रु क। श न क ल। या स या क। र कि वा उ य मा न धर्क
 क नो न। यी क म्। या क। र कि वि न ति। या क ॥ १० ॥ **मा डी त् वा च ॥** क
 म्। न ता क म्। म न्। न की। ता यो व क म्। यून न्। ह। त वा त रि न
 द ह। य वि र्ग नि क म्। र्गु वि उ थ। कु र ता रु स नी ॥ ॥ य म्। म

नृपानां कृष्णया कलानां शोभा गन्धमनुयदन्त्या अत्रा सुवर्दि
 रूपा ध्वं धर्कमादाना सुदय कल ॥ ११ ॥ **दोय दू वा वा** कां ग वू य
 क्रावृमृ रग वृ गती मृ य वृ ग कृ यि म च म नृ य यि ज य ग य । सु
 ना मु म व र व र क म व ल य म गा ल य र व र कि र व ग य ला वा १
 रि ना च ॥ ॥ **रु क म व** को ल सं स व न ज रु त्रा क स यि म च म नृ य
 ध य ना आ दि या क ज न म रु ल ज न ग न ग र लि धा म ध त ज न म

सेंदुल याल या रु या द या अ रु ल याल या क रु कि या य गु लि सु
 न जि त य र्ग न रु य मा ल ध र्क द्रा य ती न आ क वू या क वि न रि
 या क ॥ १२ ॥ **उ रु द्रा वा वा** च का दि क वू सू क त य म मा द म स
 म धा य न त रि ज म क वू य म मा न य न र व य ॥ ॥ आ क वू
 या रेंदुल याल यारी न म स्का ल या क म अ जि याल अ र्च म
 ध ज रु या क म अ उ रि म रु ज र ग र ध म ल सा जि याल अ र्च

म ध ज रु या क क ऊ उ ति म रु डा ग र थ धा र सा जि या स अ र्ध म ध
ज रु या क क या य न बी त ज न का य मा स श्री क वू या त क ल या स
या त न म स्का ल या क क या य न बी त ज न का य म म न ध र्क श
रु दान श्री क वू या धा म वि न ति या का १३ ॥ अ रि म न्य त्र वा वा ॥
र ग वि न्द २ रु त मू त्रा त र ग वि न्द २ मू क न्द क वू र ग वि न्द २ त
थी ग या न र ग वि न्द २ न मा मि नि र्थी ॥ ॥ रु र ग वि न्द ३ रु मू त्रा

त रु र ग वि न्द ३ मू क न्द रु या क वू रु र ग वि न्द २ रु त थी ग या न रु
र ग वि न्द ३ द्वि र्थ २ रु स या स न म स्का ल ध र्क अ रि म न्य न वि रु या
क वि न ति या का १४ ॥ ४ रु य म उ वा वा श्री त म ना रा य न वा
सू द व र ग वि न्द ये क न मू क न्द क वू श्री क ग या न न रु सि रु वि
शू मा या हि स सा त रु जं ग रु वा त ॥ ॥ रु श्री त म रु ना रा य न
रु वा सू द व रु र ग वि न्द रु ये क न रु क वू रु क ग व रु न न

रुद्र सिंहरुद्रविष्णुजित आया यमासु धर्कैषीरुद्रयुयाक धृष्टयम
न विन शिया क॥ १५॥ साय कीरु वाच॥ अयमय रुद्र विष्णु क
दामाद नायुता। एगविन्दानन सवस वासुदवन मासुता॥ ॥
रुद्रयमय रुद्रना रुद्रविष्णु रुद्रामाद रुद्रयुता रुद्र एगविन्द
रुद्रनन रुद्रासुदवन रुद्रासुदवन रुद्रासुदवन रुद्रासुदवन रुद्रासुदवन
शिया क॥ १५॥ उद्ध उद्ध वाच॥ वासुदवन यता एग अजान्य दवमय

मता रुद्रिता जाद्रुवाती न रुद्रय खनति इर्मती॥ ॥ अयम
नृष्यन श्रीना नायन तास ताजाम वदव या क रुद्रना याय
ज थ ममनृष्य रुद्र थै क्षन सा नी गमती न सुत्रा दाज यासुवा
य काज वा द ममनृष्यन नी गमती न सुत्र थै मया ज नी खता
न क्षज मया ग थो द वृद्धि अर्थि यमनृष्यज उद्ध धर्क
उद्धवन न विनति यो क अद्रुया धम॥ १५॥ एम उद्ध

वा। अर्यां ममी यमयनामन गुरु दिवाच गार्थो यधिग कृताच
 उदिस्त्रि किं चित् सुकरी करी मया। उना दनसु न कृत नउ
 कउ॥ ॥ लीख याथासुददाज। वास न याज वासु द्विद्रस वाद्र
 सुदास सुसुथ रथयसु सुसुसी जान हि न म हि न या दा १०
 इथ सुसी न वि सुसी का व सुयमा सुध के। प्रो म सु वि न आ सु
 दय कल॥ १५॥ **सु अर्य उ वा वा**। अरु वि वन्म जि धि सां रिता

यात्र सुज वाधि वृत्त रुमाना। सेका लनायन मद्र माये विम
 कउ ४२५ सुखि नाए वनि॥ ॥ ग म म नू य य नी थयु सि
 से सात्र सुअन गत्रा गन। योज या रा काज वा नाउ म हाउ ४
 ख सि या ज नि सुअ सुय काज थ ल ल ल न नू य काज सु दाज
 वा नाउ थ थ वा ड म म नू य य नी स न श्री क वू या नाम का
 ल ना स थ म या सं म सु या र्य मा व न सु या म अ मा अरा ती

ता यूज धर्कै सै ऊ य न श्री क यू या क वि न ती या क ॥ १८ ॥ **अरुन**
उवाचा ब्रह्महि ना त्रा य न दा स दा स दा र भ मि हि दा स दा सा
 ब्र न्या न्य मा सा ज ग ता न त्रा ना र स्मा दि दै धं न्य रा त्रा मि सा क्का ॥
 ॥ ॥ जि नि श्र य नै वि षू या दा स थ क दा स या नै दा स थ सै सा
 प्र स म नू य य ना धि धिं रा ज ध र ता ल यै वा ना अ थ रा न ग्य
 क वि षू र कि रु ल ज क धं न्य ध र्क अरु न न श स द य क स ॥

१९

२० ॥ **विदू न उवाचा** वा स द व स्य ज र क भ सा सै ग रा मा न सा
 रा स्य दा स स्य दा सा दै रु ज ज म नि उ म नी ॥ ॥ यि क म नू
 य न वि षू र कि रु या ज भ क म हि रु या ज ॥ ॥ श्र त या क म
 न रा या ज वा ना ज थ क म नू य य नी स च स या नै य ल ज
 म २ सै जि रु य द य मा स ध र्क वि दू न न क्ष न ॥ २१ ॥ **ली अउ**
वाचा वि य ती रा वृ का त वृ य त्रि त्या र ग वृ वं नू वृ या दा हि मा द

यया कसूत्र नम गत वसुत्र ॥ ॥ रुद्रा कसूत्र नम गत व
सुत्र वि यती ग क स स ध उ धि धि ता स ता उ ॥ उ द व ल सु धि
ध स क या द या उ त क या स वि क या मा स ध र्क री क न या
क य या क वि न रि या का ॥ २२ ॥ **दान उ वा च ॥** य य द ता य द ध
त्र ल दे ला ये स क ना र्थ न उ ना र्थ न ना र्थ न ग र्थ ता व नि
स यी स त ना को र्मा धि द व स्य व स्य न उ र्थी ॥ ॥ ग्व धि ना र्थ

१२

य वि क न स्या क ज य ना द व या क स चा द द व या का ध व ल ज उ
स्य ध र्क दान ना र्थ न ज स द य क स ॥ २३ ॥ **क य उ वा च ॥** य ज न
निरु स मि द म धु के ठ ला त म न्या ध न क द न य रु च य व स्य रु
य रु य य ती चा त क रु य रु य ल्ति मा स त स क ना र्थ ॥ ॥
म धु के ठ रु या न क रु या उ या द क जि ध उ लि उ न स निरु
स थ त न जी न क रु या स या क रु ता स न क या या स वि क

यमा त्कृष्णसामा च्छलया जया दासया नैदासु थफा दासया
नैदासु उय उरि जित सुन रुसा के नाथ प्रवी श्री कृष्ण या क
कृया चार्यन विनशिया क॥ २५॥ अमा **वावा** **राम विन्द क**
ऊना दैन वा सुद व वि ल्भम विभ म धू सुदन विभ त्र या श्री य
अना राय त्र भार्गम य अन न्य ना राय नाय रा नृ सिंदन
भानम सु॥ ॥ हू **राम विन्द क** गव रु ऊना दैन रु वा सुद व

हविर्गन्धर्वविश्वरूपमधुसूदनहविर्विश्वत्रयहयमनाएह
 यत्रधारुर्महयमनन्त्रहनात्रायनहअथराहन्मि
 हजीनकुरुधारुवाजवाजनमस्कारधर्कअनकनात्राय
 नयात्रामकाडाधर्कअसास्मानमुत्तियोका॥१॥**व नूउवाच॥**
 तन्नैवदामिनन्त्रलामिनचिक्यामीनान्यस्मत्तमिनरुजामि
 नचाप्रयामीअकचदीयचत्रनद्वयमादत्रल्वश्रीश्रीनिवास

यूगार्कदहिदास्ये ॥ ॥ हृदयानिवास हृदय यूगार्कमजान
रुतसीमवया नाममकायामवयासेमननामवयाध्वनैम
यानामवयासमननामयानामवयाश्रीमयानाकुरुतयास १५
यायासीनयायावसुयध्वकैमनसहृदयनकादाकयाय
मैत्रुयागविश्वयमोरध्वकैश्रीकुरुयाककनूनविनरिया
का १३ ॥ धृतराष्ट्रवाच ॥ नमो नमो कात्रलामनना

यनात्रायनायामितविक्रमाय ॥ ॥ धृतराष्ट्रवाच ॥ नमो नमो कात्रलामनना
नायनमामुतसेयूगार्कमाय ॥ ॥ धृतराष्ट्रवाच ॥ नमो नमो कात्रलामनना
रुमखीननमस्कासध्वकैगधीदध्वकालसावामनना
यकागविश्वककनात्रायनयययायत्राकर्मधर्मसा
प्रसहसांतायध्वसंमउसात्रैकध्वनयगजवकध्वन
सयागविश्वकधधीदश्रीकुरुयाककनूनविनरिया

तत्रास्तुन आसूदय कल ॥ १॥ गभार्य वाच ॥ त्वमवमाता
 च विता त्वमव त्वमव नृश्वसखा त्वमवा त्वमव विद्या उ विन
 त्वमव + त्वमव सर्वममेदवदव ॥ ॥ हृदवदव निश्चय
 २ नै मा मी व वृच्छल या स विद्या धनी धरा धिधिं समसीत् १५
 ल या स धर्क गभार्य नृश्वसखा क विन रि या क ॥ २॥
 या ध न उ वाच ॥ जानामि धर्म न च मय वृत्ति जानामि या

यं न च मनि वृत्ति क ना वि द व न दृ दृ स्ति त न य थ नि यू क
 स्ति त थ क ना मि ॥ ॥ धर्म या श्री जान म सि या या य या श्री
 जान म सि या जि हृद य स खा द व नृश्वसखा जान
 म सि या थ क द व न या र को उ रि न या दा ॥ २॥ उ नृश्व
 गु ल दा ष न उ नृश्व र वृत्ति म नृश्व र वृत्ति म
 म दा ष न दा य रा ॥ ॥ हृद य र वृत्ति म नृश्व र वृत्ति म

सुनिष्ठा यूज थ थं च्छल या स ज कु था क म जि रु ल ज कु य रु
 सि च्छल या स स न या रा क ल ज रु सि जी न या दा ॥ ३० ॥ **द्वयद**
य उ वा च ॥ य रु सा न न्द र्गम वि न्द मा ध वान न क क ग वा वि वा स्त
 ना द्द वि क ग वा स द व न मा सु रा ॥ ॥ **द्वय रु स द्द** आ न न्द रु
 र्गम वि न्द रु मा ध व द्द रु ज न न्द रु क ग व द्द वि ष स्त न रु द्द वि
 क ग व द्द वा स द व च्छल या स या रा जी न न म स्त स ध के द्वय

१५

अ या री य टि य नी स ना थ या री न म स्त स ध के मा म द्द थ
 न सु रि या का ॥ ३५ ॥ **व द्द ना ती र वा च ॥** न मा व अ ल द वा य
 र्गम वा अ न दि तो य वा ज ग दी तां य द्द वा य र्गम वि न्द य
 न मा न मा ॥ ॥ **व अ स रु य अ द व या री** सा वा अ ल या री
 श्री कृष्ण या री जी न वा री वा स न म स्त स ध के वे ग ती न सु रि
 या का ॥ ३६ ॥ **न स उ वा च ॥** मा रा सी य य सी का नी यी रा वा सी

सदाश्री। यन सीति ल्गविन्द नरा श्रीवितरुयी॥ ॥ तिसाव
 या धिं व स त्रीन या व नू स दी यो तां म्वत्र ध उ ति व व ज सै ज न म
 म्मा स थ धा द फ ग्रा क वू व फ म नू य न न म स्मा स या र थ फ
 या व व स रै रु य द यू य म वू ध के ग ल्य ता ज न श्री क वू या क १८
 विन ति या क ॥ ३॥ **व स रु ड उ वा वा** क वू वू क वू क या स त्व म
 ग ति ना ग ति रु वी स सा त्रा नू व म म्मा ना य सा द य न म म्वत्र ॥

रु क वू २ रु क या न सै रु क क ग ति म ड य सै ग ति रु सै क ल या
 स थ सै सा त्र दा दा न स मू ड थ धा द स म य रु या उ वा द म नू य
 आ दि न या नि म नू य सा क या र क ल या स सै न्य रु या उ वि म्मा
 य मा स ध के श्री क वू या थ स व ल रु ड न आ स द य क ल ॥ ३॥
॥ श्री क वू उ वा च ॥ ॥ स र्थी व वि मि म नू जा स य मू र्ध वा दू या मी
 मू क न न ग सि रु ज ना द न न जा व न ल्य नू दि नै म म ना म मा र्थ

वेद न वा स नि ज ये स ख लं य या नी ॥ ॥ रु म नृ ष्य सा क जान
 सा हा रा थ ष्य या ज स थ र नं ह य ष्य म नृ ष्य न मू क न न त
 सि ह ज ना द न ध के कि थ र थ ग सि ना म का य ज थ र जि ना म
 मा य न नि ष्य य नं थ म नृ ष्य न वे क न वा स या रा ज न द य ज
 ध के श्री क षू न आ सू द य क ल ॥ ३ ॥ **क षू क षू** के यो ल रि क षू
 मी व द ति नि थ सा ज स रि त्वा ज थ री म न त का इ द्व ना म्य ह ॥

॥ ॥ य न वी त श्री क षू न आ सू द य क ल ॥ म नृ ष्य सा क ष्य म
 म नृ ष्य न श्री क षू र ध के जि ना म का य ज ज म नृ ष्य या रा
 जा न रु स सां लं य स सा द य स सा न थ या ज ह या थ र न त क
 न उ वी त या य ध के श्री क षू न आ सू द य क ल ॥ ३ ॥ **याम**
द व उ वा च ॥ ॥ स क ना रा य ल ल्हा म क ल्य म ती त ता
 गी ग म दि स र्व यो र्ध षू सा ता ए व ति नि थ मी ॥ ॥ उ या कः

म्रं नराद्वि. या दा. पु. न. गी. म. आ. दा. न. द. का. श्री. र्थ. स. स. न. या. दा.
 पु. न. थ. र. पु. न. द. स्व. ना. ता. य. न. र. ध. के. थ. र. ना. ता. य. न. या. ना.
 म. का. स. ना. स. थ. र. पु. न. द. रा. ध. के. श्री. म. दा. द. व. न. श्री. क. पू. या.
 थ. स. आ. सु. द. य. क. स. ॥ ४० ॥ श्री. या. र्थ. र. व. क. ये. व. गी. म. ज. म. ना.
 च. र. उ. य. ज. व. त्री. रा. य. स. र. स. ता. च. स. वी. नि. श्री. र्थ. नि. व. स. ता.
 च. र. उ. ज. ज. य. ता. य. र. के. थ. य. र्थ. गी. ॥ ॥ स. ग. रि. थ. न. स.

२०

श्री. ना. ता. य. न. या. क. थ. ढ. ढा. ज. वा. नी. ज. ज. ग. रि. थ. स. र्ग. गी. म.
 आ. दि. न. द. का. श्री. र्थ. नि. व. ना. नी. ज. थ. थ. ढ. क. श्री. ना. ता. य. न. ध.
 के. या. र्थ. ती. न. श्री. क. पू. या. थ. स. आ. सु. द. य. क. स. ॥ ४१ ॥ उ. न्म. उ. व.
 व. ॥ न. न. क. य. य. मा. न. उ. य. म. न. य. ता. रा. धि. ती. किं. ता. या. ना. धि.
 ता. द. व. क. न. व. क. स. ना. स. का. ॥ ॥ ह. ना. ता. य. न. जी. न. न. न. क. स.
 वा. ढ. म. न. य. या. रा. थ. या. ह. म. न. य. द. या. य. द. य. नी. स. न. श्री.

नात्रायनया मूर्तिदयकाययूजामया नाश्रीनात्रायनया
नामस्वर्नकायच्छयनीसु ३४ स्वभाव नरुयूजधर्के उन्नत
जानश्रीकयूयाधस आसूदयकल ॥ ५२ ॥ **समानत्र** सह
प्रवृत्तया ध्यान समाधि रिश नताली क्रात्रयाया नीकयूर
कियदायत ॥ ॥ दासद्वियालमनू ध्या उन्नकायाज दास
द्वि उन्नमसी तयस्या ध्यान या दान उनी सर्वयाय नगह

२१

इयाजधवससउनिश्रीनात्रायनया यत्रमरुकिरुयाज
धर्केनात्र दमनीन आसूदयकल ॥ ५३ ॥ **युद्धदउ**
वावा नाधजा नि सहप्रवृत्तययवृत्तयामदी
तवृत्तय। चूत रुकित्रयिउ उरुसदात्रयो ॥ ॥ हुना
त्रायनदाले दास या स उन्नकायाज जानवससुध
त उन्नमसी चूसयासया क रुकियाय रुयमास धर्के

यद्वादन श्री कृष्णया कवि नरि या क॥ ५५॥ **आयित न** विमुक्ति
 नां विषय स न या या नी। त्वा मनुस्मृत त नि र्ण दद या मय
 स र्ण ॥ ॥ यून र्वा त य द्वादन श्री कृष्णया कवि नरि या क
 दय त म भव त द श्री कृष्ण मुक्ति म इ सा क न ग र्थ न य रिय
 स य ता त इ स र्थ च्छ ल या स या क जी न रा ज र कि न श्री
 रि या य र सि जि न ग स स स द र्द वि र्ण स थी त र य का

२२

वि स वि श्रय मा स ध के ॥ ५५॥ **वि स्त्र मि र उ वा वा** किं त स्य दाने
 ४ किं ति र्थे किं न या रि ४ किं म ध ते ४ आ मा नि र्ण श्रय द र्व ना
 ना य नै र्ग ग त् र ग्री ॥ ॥ य क्र म नृ ष्य न नि र्ण या नि र्ण थ सै मा
 त या र्ग र्ग या र वि श्रा क क्र श्री ना ता य न या श्रान या दा रा रा
 नी रा थ क्र म नृ ष्य या दा न य न्य या य र्थ आ या या य रा य
 सा या य श्रय य य या न ध के वि स्त्रा मी य श्र वि न आ सू द

य. क. ल. ॥ ५३ ॥ ज. न. द. शि. र. वा. च. ॥ नि. र्वा. स्म. वा. र. व. त. र्वा. नि. र्वा.
 श्री. नि. र्वा. मे. ग. ले. ॥ ज. वी. द. दि. स्म. र. ग. वी. मे. ग. ला. य. त. मा. द. त्री. ॥ ॥
 य. अ. म. न. र्वा. न. श्री. ना. ग. य. न. स. दा. का. र्वा. ध. उ. द. द. य. स. द. ज. ध. र्वा. २३
 रा. स. या. रा. वा. ना. ज. ध. अ. म. न. र्वा. या. क. स. स. दा. द. उ. सा. द. रु. या. रा.
 ध. र्वा. रु. न्वा. नि. र्वा. र. स. आ. व. ध. य. रु. या. रा. रु. न्वा. मे. ग. ला. रु. या. रा. ध. र्वा.
 ज. न. द. शि. र. वा. च. नि. र्वा. स. दा. य. क. ल. ॥ ५॥ रा. त. दा. ज. उ. वा. च. ॥ रा.

रु. वी. ज. य. रु. वी. क. र. रु. वी. य. ता. ज. य. ॥ ज. वी. मि. दि. व. स. र्वा.
 मा. द. द. वा. य. च. ज. ना. र्वा. नी. ॥ ॥ य. अ. म. न. र्वा. न. उ.
 रा. स. खा. न. या. ध. र्वा. व. र्वा. रु. या. रा. वा. द. य. श्री. ना. ग. य.
 न. र्वा. ग. ले. स. र्वा. न. या. दा. वा. वा. ना. ज. ज. अ. म. न. र्वा. या.
 ग. अ. य. ना. स. ज. स. रु. य. म. र्वा. ध. र्वा. रा. त. दा. ज. अ. र्वा. चि. न. श्री.
 स. दा. य. क. ल. ॥ ५४ ॥ रा. त. म. उ. वा. च. ॥ रा. त. का. दि. दा. नी. य. द.

नमो काजी माद्यया रग रग कत्यवाजी। समन्त तर्ह्यीदानी
 लब्ध दाने रग विन्द १ तर्ह्य नामी ॥ ॥ सा दा का ठि दान या दा
 पुन्य काजी सयद न कूडू सान या दा पुन्य या ग समाद्य १ य
 ति रग कत्यवा स या दा पुन्य समन्त यर्व तज उ स ल दान या
 दा या पुन्य धर पुन्य ज रग विन्द १ धा ज क्र ज उ रि पुन्य रुद
 यूज धर्क रगे त म सु धी न भ्रा सु द य क र ॥ ५ ॥ **अथी प्र वाच**

२४

रग विन्द रि स दा साने रग विन्द रि चैकैरने। स दा ऊ यी रग
 विन्द रि स दा धाने रग विन्द रि च कि रने ॥ ॥ सान या
 य व स र रग विन्द या नाम का य ऊ य या री रग विन्द धर्क धा
 न या री रग विन्द या नाम का री रग विन्द या धर्क भ्रा सु धि
 न भ्रा सु द य क र ॥ ७ ॥ **व निरु उ व क्त** धू रि म री नाम ऊ स
 वा व नि व र्ह ता र भी ए व कि ता स्या भू म दा या ठ क का ठ या ॥

ग २

॥ ॥ ग्य म न न न म न र उ या उ वा ढ श्री क वू या ना म का
या उ वा ढ थ म न न या दू या र न म स या दा रा रा या या
य स क ली रू दा ज ज नी रा का टि र म दा या य नू द्वा र ग्मा र रा
र या उ रू यू उ प्र के व नि रू म्म वा न ज सू द य क ल ॥ ५१ ॥ २५
र न्म य वा वा क वू न ग न म द व या य स द्या री ऊ री । स रा म्म र
द मा वा नि गि त्रा व र्ज द ता य थी ॥ ॥ ग्य म न न न न

स वि म्म दा ज स्ता य या स वि म्म रा ध के ॥ ५२ ॥ ॥ द य वि य मा
यू डे यू न या य य न म नी ॥ ३४ ॥ य न म स स्ता यी या लु वे य प्रि का
हि ती ॥ ॥ थ रु लि या लु व य नी स न श्री क वू या रा कि रू ना या
दा रु लि स्ता य ग था ढ म्म र सा म द य वि य रू या उ वा ढ द न
ज यू व प्र य रू या उ थ था ढ स्ता य थ ध के ॥ ५५ ॥ ४ य २० य
त न्म का य रु वि रू ग रा मा न स । ग वी ग रा स द्म स य स म द

तस्य जहल ॥ ॥ ग्यममन्यन सुचि य विउ इया उ ॥ ॥
 तया क विरुता या उ या त का स स थ उ सि या सु व गा ता सा य
 वाना उ थ ममन्यन या त ज न ग य न्य रु ल द यू उ ध के रु
 नै सा स रु छि दान या दा यू न्य रु स जा यू उ ध के ॥ ॥ ॥ तस्य ३३
 समवा धा ति उ य २० दि ति स सु वी । सर्व या य वि नी मू का वि
 सु ला के न ग च्छ ता ॥ ॥ ग्यममन्यन नि यै २ थ उ सि सा य

वाना उ थ ममन्यन थ था रु ल सा यू उ ध के रु नै ना ना उ
 म स या दे त या या य स क ली रु द या या न न का स स मा उ या
 थ न वै रु न य द वी ला यू उ ध के ॥ ॥ ॥ गा ता गी ग म च ग य उ
 र ग वि न्दा ग त्र उ ध उ च उ र ग का स स रु कं यू न ४ उ न न वि य
 ता ॥ ॥ ग्यममन्यन गी ता ४ गी ग म च ग य उ र ग वि न्दा ग त्र
 उ ध उ थ रा ग का ता दि ना म का यू उ थ ममन्यन अ व स्य न

[illegible][illegible]

याचलवैगयावनकत्रीकाभीयूताक्षश्वत्रीरिक्कीददीकया
त्रवित्रैएनकत्रीमाताचर्चयूवृश्वत्री॥१॥नानात्रलविचित्र
हववकत्रीदमीवतादेवत्रीमुकाकृत्रवित्रैरमानविन
सुदआजकुंफुसुत्रीकाभीताशुत्रगीखितात्रचिकत्रीकाभी ३५
यूताक्षश्वत्रीरिक्की॥२॥आगमनकत्रीप्रियूकृयूकत्रीध
मेकनिमाकत्रीचन्द्राकृकत्रीसमाननकत्रीयेलाकृकत्री

आंकत्रीसुवेचर्यकत्रीगयरुसकत्रीकाभीयूताक्षश्वत्री
रिक्की॥३॥केलासाचत्रकन्दलात्रयूकत्रीरमेत्रीउमाभीक
त्रीकोमात्रीनिर्गमार्थश्वचत्रकत्रीकृकत्रीजाकृत्रीमाकृ
दात्रकयाटयाटनकत्रीकाभीयूताक्षश्वत्रीरिक्की॥४॥दृक्षीदृ
क्षविरूगयावनकत्रीखसालुलाखुदत्रीलालानाटकसूय
कसनकत्रीविसूनदायीकृत्रीश्रीविरमश्वत्रमनयमाद

न.क.नी.का.भी.यू.ता.ध.श्व.त्री.हि.क्री॥५॥य.वी.सर्व.ज.न.श्व.त्री.ति
न.रु.त्री.मा.ता.नू.यू.रू.श्व.त्री.नी.ता.ना.स.स.मान.क.न.न.क.नी.नि
या.नू.व.ग.श्व.त्री.शो.दा.न.नू.क.नी.स.दा.गी.व.क.नी.का.भी.यू.ता
ध.श्व.त्री.हि.क्री॥५॥आ.दि.का.न.स.म.सू.व.नू.न.क.नी.नं.रू.य ३४
रा.नी.कू.नी.का.भी.त्री.या.यू.न.श्व.त्री.ति.न.रु.त्री.नि.खी.कू.नी.सर्व
त्री.का.मा.का.अ.य.क.नी.म.हा.त.म.य.क.नी.का.भी.यू.ता.ध.श्व.त्रीः

हि.क्री॥५॥द.वी.श्व.नू.वि.दि.व.न.सू.य
ता.मं.वा.म.या.य.सी.यू.नू.या.य.वि.ध.का.सा.रा.रा.
रू.का.हि.सू.क.नी.रू.ता.न.सू.क.नी.का.भी.यू.ता.
हि.क्री॥५॥च.न्द्रा.का.न.न.का.टि.१.यु.नि.ता.वा.रा.
श्व.त्री.च.न्द्रा.का.त्री.स.मा.न.कू.न.सू.ध.त्री.च.न्द्रा.का.
ना.यू.सू.क.या.न.की.कू.न.क.नी.का.भी.यू.ता.ध.श्व.त्री.

सर्वज्ञानकरीमहार्थकरीमाताकृपायुक्त
करीनितामयकरीविराज्यत्रीश्रीधरीरत्न
रुमयकरीकाशीयुताश्वत्रीश्रीश्रीदत्तात्रेय
त्रीमाताश्रुतयुक्तश्री॥१०॥श्रुतयुक्तश्री
नवल्लहासनवेताकुमदहाश्रीश्रीदत्तात्रेय
तिश्रीश्रीकरीमाय्यविराज्यत्रीश्रीश्री

ASMA ARCHIVES

837

I

सुखीतुलसी